केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपालसंभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाषकमांक 2550728(D.C.)
2551678 (. स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755-2553126
ई-मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो. /

दिनांक 23.07.2015

प्रिय प्राचार्यवृंद,

मुझे विश्वास है कि हम सभी मानव प्राणी अपनी एक अंतर्दृष्टि रखते हैं जिससे हम जीवन को एक संतोषप्रद जीवन के रूप में जागरूक रखने की क्षमता रखते है। परन्तु जागरूक होने की विचारधारा से भी महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने जीवन को बौद्विक रूप से कैसे सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं। यह एक प्रकार की कार्यप्रणाली एवं कार्य करने के तरीकों पर निर्भर करता है। यह एक स्वप्न है और उस स्वप्न को पूरा करने की योग्यता के अंतर्गत आता है।

तथ्य यह है कि हममें से कुछ लोग यह जानते है कि हम क्या चाहते है और उसमें से कुछ ही लोगों को यह पता है कि हम उसकों कैसे प्राप्त कर सकते है। बिना किसी लक्ष्य के हमारा जीवन नीरस और असफलताओं से भरा हुआ है।

आप सभी को ज्ञात है कि सफलता, आनंद का पर्यायवाची है। आप अपने बारे में कैसा महसूस करते हैं।

सफल व्यक्ति अपने प्रत्येक दिन का स्वागत उत्साह, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ करते हैं। वे अपने बारे में और जीवन में उन्होनें जो दिशा चुनी है उसके बारे में अच्छा महसूस करते है। उन्हें पता है कि उनके जीवन में सब कुछ है और वे जीवन को अपना सब कुछ देना चाहते है। वे अपने कार्य और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में सिर्फ आनन्द महसूस करते हैं। वे अपने आपको प्रेरणा देते है और साथ ही अपनी उपलब्धियों को दूसरों से सांझा करके उनकों भी आनंदित और प्रेरित करते है। वे दूसरों के प्रति जवाबदेह है और उनका सहयोग करते है और बदले में खुद भी उनका सहयोग प्राप्त करते है । अपनी अंतर्दृष्टि से ही कार्य की चुनौतियों को समझते हैं और यहॉ तक कि जीवन के प्रत्येक पक्ष में त्याग करते है और नित प्रतिदिन विपत्तियों को अवसरों में बदलते जाते है।

सफल व्यक्ति भय का सामना करके उस पर विजय प्राप्त करते है और अपने अनुभव से अपने दुख से बाहर आते हैं। वे हमेशा अपने आसपास आनन्द का वातावरण पैदा करते है और उनके आसपास जो कुछ भी सौभाग्य है उससे अपने जीवन को उत्कृष्ट बनाने में मदद लेते हैं उनकी सामान्य मुस्कान ही उनकी आंतरिक शक्ति और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक प्रयास को प्रमाणित करती है।

क्या आप अपने आपको इस प्रकार की सफलता प्राप्त करने वालो में से एक मानते है ? क्या आप उतने प्रसन्न हैं जितना आप होना चाहते हैं ? क्या आप अपने स्वप्न को जींवत कर रहे है ? यदि नहीं तो आपके लिए मेरे पास एक संदेश है – आपके पास वो सब कुछ है जिससे आप अपने स्वप्न को वास्तविकता में बदल सकते है।

विश्व में आज विजेता वो है जो अवसरों को सिर्फ देखते ही नहीं अपितु उन्हें पकड़ लेते है। उनके लिए एक असफलता का अर्थ **पुनः वापसी है, मैदान छोड़ कर भागना नहीं** । जिन्होने सफलता को आदत बना लिया उनके लिए काम एक प्रेरणाप्रद चुनौती है, एक वक्तव्य नहीं ।

आपने इन भाव प्रधान विचारों को पढा होगा **वे सभी उदास कर देने वाले विचार जो जिहवा से बोले अथवा कलम से लिखे जा सकते हैं**, सबसे ज्यादा उदास करने वाले शब्द है:– **" ऐसा हो सकता था"**

यह हम सब के लिए अब बहुत दुख की बात है कि हम अतीत में देखें और उससे दुखी होते रहें । यही कारण है कि संसार में कुछ साधारण लोग सफल हो जाते है और हम नहीं हो पाते। इस तरह के व्यक्तियों को देखकर हम निराश होते हैं, जो हमसे कम योग्यता रखते हैं, कम शिक्षित हैं, फिर भी सफलता अर्जित करते है।

अवसरों को न पहचान पाना और उसे उस तरह न पकड पाना जैसे अन्य व्यक्ति कर लेते है और भारी सफलता अर्जित कर लेते हैं, निराशा का विषय बन जाता है। यह बहुत ही दुभाग्यपूर्ण है कि हम अपने बच्चों को सफलता की वो दिशा नहीं दे पाते जिसकी आवश्यकता उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में होती है । यह हमारे अंतर्मन को विचलित करता है जबकि अन्य व्यक्ति सुखी और सफल जीवनयापन करते है।

मुझे विश्वास है कि जीवन, जीत और सफलता की एक श्रृंखला हो सकता है न कि असफलताओं का, कोई भी व्यक्ति कुछ न कर पाने के दुख से बाहर आ सकता है। आगे बढिए और जीवन में आनंद और सफलता को प्राप्त करिए और इस सिद्धान्त को अपने जीवन में अनुभव करिए **"सभी प्रकार के खुशनुमा शब्द जो हम बोल सकते हैं या लिख सकते हैं, में सबसे आनंददायी है– मैने संघर्ष से जीत प्राप्त की है।"**

अंततः मै आपको सलाह देता हूँ कि वर्ष 2015 में 100 प्रतिशत (गुणवत्तापूर्ण) का वास्तविक लक्ष्य निर्धारित करे चूंकि सफलता वहीं से प्रारम्भ हो जाती है जहॉ से आप जान लेते है कि आपको क्या करना है और पूरी शक्ति, उर्जा और सामर्थ्य के साथ उसी दिशा की ओर अग्रसर होते है। प्राचार्य सम्मेलन जुलाई 2015 के दौरान किए गए विचार–विमर्श के अनुरूप कार्य संपादित कर अपने लक्ष्यों और सफलता को प्राप्त करने में प्रयासरत रहिए।

सफलता के इन मूल मंत्रों का अनुसरण करिएः–

1. 100% परीक्षा परिणाम कैसे प्राप्त करें (मासिक शैक्षणिक गतिविधियों की रिपोर्ट (MRAP) समयानुसार भेजे, त्रुटियों का विशलेषण करें और अपनी क्षमता एवं उर्जा का 100% विद्यालय को दें ।)
2. आप शिक्षकों और स्टाफ के सदस्यों को प्रोत्साहित करें (उनके मध्य आपसी सामंजस्य और सौहार्द्र का वातावरण पैदा करें)। उन्हें बताइए कि कैसे उनके प्रयास सफलता को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
3. उन लोगों से सीखने का प्रयास कीजिए जो 100% गुणवत्ता पूर्ण परिणाम दे रहे हैं या देते है। वे भी हम और आप की तरह जीवन में बाधाओं का सामना कर रहे हैं और उन बाधाओं को दूर कर, उनका सामना करते हुए आगे बढ़ रहे हैं और तब तक प्रयासरत हैं जब तक 100% के परीक्षा परिणाम के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेते । आप भी उनकी तरह बल्कि उनसे बेहतर हो सकते है और यहॉ तक कि दिशा प्रदर्शक भी बन सकते हैं।

आपसे अनुरोध है कि इस अर्द्धशासकीय पत्र को अपने शिक्षकों से साझा करें (एक प्रति उनको सौपें)।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 20.07.2015 का हिन्दी अनुवाद है। तीन दिनों के अंदर पावती भेजना सुनिश्चित करें।

शुभकामनाओं सहित,

सादर

डा. श्रीमती बी.कौर

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः

सहायक आयुक्त, के.वि.सं., भोपाल संभाग को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।